UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2010**

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

7882087739

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने से पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे हुए निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उसके हर पृष्ठ पर केन्द्र-संख्या, छात्र-संख्या, और अपना नाम लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की स्याही वाली कलम का ही प्रयोग कीजिए।
स्टेपलर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में **हिन्दी** में ही लिखिए।
शब्दकोश का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों को नहीं ले जा सकते हैं।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए एक समान समय दें।
परीक्षा के अन्त में अपने सभी पृष्ठों को एक साथ धागे से बाँध दें।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अंक लिखे हुए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

DC (LEO/TL) 22736/2
© UCLES 2010

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

WWW.XTREMEPAPERS.NET

भाग 1

1 तुलसीदास-श्रीरामचरित मानस और सूरदास-सूरसागर सार

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क) (i) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए।

(ii) भगवान श्रीराम को पाने के लिए मनुष्य में किन लक्षणों का उल्लेख किया गया है तथा पापी लोगों के क्या लक्षण बताए गए हैं? [25]

दोहा० - सरनागत कहुँ जे तजहिं निज अनहित अनुमानि।
ते नर पावँर पापमय तिन्हहि बिलोकत हानि ॥ ४३॥

चौ ०- कोटि बिप्र बध लागहिं जाहू। आएँ सरन तजउँ नहिं ताहू ॥
सनमुख होइ जीव मोहि जबहीं। जन्म कोटि अघ नासहिं तबहीं ॥
पापवंत कर सहज सुभाऊ। भजनु मोर तेहि भाव न काऊ ॥
जौं पै दुष्टहृदय सोइ होई। मोरें सनमुख आव कि सोई ॥
निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा ॥
भेद लेन पठवा दससीसा। तबहुँ न कछु भय हानि कपीसा ॥

-श्रीरामचरितमानस-सुन्दरकाण्ड-

या

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर तुलसी के श्रीराम के लोक-रक्षक रूप और सूर के श्रीकृष्ण के लोक-रंजक स्वरूप की तुलनात्मक व्याख्या कीजिए। [25]

WWW.XTREMEPAPERS.NET

2 वाचस्पति पाठक - प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क) (i) निम्नलिखित कविता का संदर्भ लिखिए।

(ii) कविता के काव्य सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कविता में पायी जाने वाली छायावादी परम्परा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। [25]

बताता जा रे अभिमानी !

बताता जा रे अभिमानी !
कण -कण उर्वर करते लोचन
स्पन्दन भर देता सूनापन
जग का धन मेरा दुख निर्धन
तेरे वैभव की भिक्षुक या
कहलाऊँ रानी !
बताता जा रे अभिमानी !
दीपक - सा जलता अन्तस्तल
संचित कर आँसू के बादल
लिपटी है इससे प्रलयानिल,
क्या यह दीप जलेगा तुझसे
भर हिम का पानी ?
बताता जा रे अभिमानी !
चाहा था तुझमें मिटना भर
दे डाला बनना मिट - मिटकर
यह अभिशाप दिया है या वर;
पहली मिलन कथा हूँ या मैं
चिर - विरह कहानी !
बताता जा रे अभिमानी !

- महादेवी वर्मा -

या

(ख) कविताओं के आधार पर सुमित्रानन्दन पंत या निराला की कविताओं की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। [25]

WWW.XTREMEPAPERS.NET

3 मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए।

(क) (i) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए।

(ii) कविता में उल्लिखित कथाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। [25]

जिसके समक्ष न एक भी विजयी सिकन्दर की चली -
वह चन्द्रगुप्त महीप था कैसा अपूर्व महाबली ?
जिससे कि सिल्यूकस समर में हार तो था ले गया,
कान्धार आदिक देश देकर निज सुता था देगया ! ॥१२८॥

जो एक सौ सौ से लड़े, ऐसे यहाँ पर वीर थे,
सम्मुख समर में शैल - सम रहते सदा हम धीर थे।
शंका न थी, जब जब समर का साज भारत से सजा; -
जावा, सुमात्रा, चीन, लंका, सब कहीं डंका बजा ॥१२९॥

मोहे विदेशी वीर भी जिस वीरता के गान से,
जिस पर बने हैं ग्रन्थ 'रासो' और 'राजस्थान' से।
थी उष्णता वह उस हमारे शेष शोणित की अहा !
जो था महाभारत - समर में नष्ट होते से बच रहा ॥१३०॥

-अतीत खण्ड - हमारी वीरता -

या

(ख) 'यह बात मानी हुई है कि भारत की पूर्व और वर्तमान दशा में बड़ा भारी वैपरीत्य है।' मैथिलीशरण गुप्त के इस कथन की व्याख्या अतीत खण्ड और वर्तमान खण्ड की कविताओं के आधार पर कीजिए। [25]

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए।

4 प्रेमचन्द - प्रतिज्ञा

(क) 'प्रतिज्ञा'उपन्यास में आप प्रधान पात्र किसे मानते हैं और क्यों ? उसके चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [25]

या

(ख) 'प्रेमचन्द एक उद्देश्य-प्रधान उपन्यासकार हैं' - 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के आधार पर इस कथन की व्याख्या कीजिए। [25]

5 जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'

(क) 'पाण्डेय बेचन शर्मा''उग्र' की कहानी 'खुदाराम' हमारे धर्म के ठेकेदारों पर एक मार्मिक कटाक्ष है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

या

(ख) 'समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र बल के सामने झुकते देखकर, काशी के विच्छिन्न और निराश नागरिक जीवन ने, एक नवीन सम्प्रदाय की सृष्टि की।' इस कथन को विचार में रखते हुए जयशंकर प्रसाद की कहानी 'गुण्डा' के प्रमुख पात्र नन्हकूसिंह का चरित्र चित्रण कीजिए। [25]

6 अभिमन्यु अनत - 'मॉरिशसीय हिन्दी कहानियाँ'

(क) 'जीने के लिए दुनिया की बहुत सारी शर्तों के आगे घुटने टेकने ही होते हैं।' रामदेव धुरंधर की कहानी 'विष-मंथन' जीवन की कुछ ऐसी ही मजबूरियों को प्रतिबिम्बित करती है समझा कर लिखिए। [25]

या

(ख) जय जीऊत की कहानी का शीर्षक 'चाहे-अनचाहे' कितना उचित है ? इस प्रश्न का उत्तर कहानी की केन्द्रीय भावनाओं का उल्लेख करते हुए दीजिए। [25]

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

WWW.XTREMEPAPERS.NET